पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

प्रादेशिक पुष्प प्रदर्शनी में धन्वन्तरि वाटिका राजभवन द्वारा आयुर्वेदीय औषधि पौधों एवं जड़ी-बूटियों का प्रदर्शन

"शतायु की ओर", "आयुर्वेद और स्वास्थ्य" तथा "आयुर्वेदोऽमृतानाम्" पत्रकों का निःशुल्क वितरण

लखनऊः 20 फरवरी, 2015

राजभवन प्रांगण में दिनांक 21 एवं 22 फरवरी, 2015 को आयोजित होने वाली प्रादेशिक शाक-भाजी, फल एवं पुष्प प्रदर्शनी में धन्वन्तरि वाटिका राजभवन द्वारा आयुर्वेदीय औषधि पौधों एवं जड़ी-बूटियों का एक प्रदर्श लगाया जायेगा। धन्वन्तरि वाटिका द्वारा लगाये जाने वाले इस स्टाल से धन्वन्तरि वाटिका राजभवन द्वारा प्रकाशित ''शतायु की ओर'' के चतुर्दशम् अंक, ''आयुर्वेद और स्वास्थ्य'' तथा ''आयुर्वेदोऽमृतानाम्'' पत्रकों का निःशुल्क वितरण भी किया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि राजभवन में औषधीय पौधों की एक वाटिका ''धन्वन्तरि वाटिका'' स्थापित है, चिकित्साधिकारी (आयुर्वेद) एवं प्रभारी अधिकारी धन्वन्तरि वाटिका, आयुर्वेदाचार्य डा0 शिव शंकर त्रिपाठी ने बताया कि इस वाटिका की स्थापना 24 फरवरी, 2001 को हुई जिसका उद्घाटन तत्कालीन राज्यपाल, श्री विष्णुकांत शास्त्री द्वारा कुछ औषधि पौधे रोपित कर किया गया था। जिसका मुख्य उद्देश्य आयुर्वेदीय औषधि पौधों के ज्ञान को जन-जन तक पहुँचाना है। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में पुत्रजीवक, अकरकरा अन्तमूल, वंशलोचन, पुनर्नवा, अस्थिश्रृंखला, काकमाची, सैरेयक, घृतकुमारी, ब्राह्मी, अश्वगंधा, शतावरी, समी, वासा, कुटज, निर्गुन्डी, स्नुही, अर्जुन, हरीतकी तथा गुड़मार आदि 200 से अधिक दुर्लभ जड़ी-बूटियों एवं औषधि पौधों को प्रदर्शित किया जायेगा।

धन्वन्तरि वाटिका, राजभवन द्वारा प्रकाशित 'शतायु की ओर' का यह चतुर्दशम् अंक मेदोरोग (मोटापा) के बारे में है। उन्होंने कहा कि आज के भौतिकवादी युग में तेजी से बदलती जीवन शैली में व्यक्ति का आहार-विहार प्रभावित हुआ है। समुचित मात्रा मंे भोजन न लेकर अनियमित एवं अधिक मात्रा में फास्ट फूड, कोल्डड्रिंक्स तथा तले-भुनें भोज्य पदार्थ ग्रहण करने से इस रोग की बढ़ोत्तरी तेजी से दिनों-दिन देखी जा रही है। एक अध्ययन के अनुसार भारत में लगभग तीन करोड़ लोग मोटापे से ग्रस्त हैं अनुमान है कि अगले पांच वर्षों में यह संख्या दोगुनी हो जायेगी। गम्भीर समस्या के रूप में बढ़ रहे इस रोग को पहचानने, बचाव के उपाय तथा चिकित्सा के बारे में सारगर्भित जानकारी का उल्लेख इस अंक में किया गया है।

डा0 त्रिपाठी ने बताया कि ''आयुर्वेद और स्वास्थ्य'' पत्रक में आयुर्वेद ऋषियों द्वारा बतायी गई ऋतृचर्या एवं स्वास्थ्य रक्षक सूत्रों का उल्लेख किया गया है, जिनका पालन कर हम सदैव निरोग रह सकते हैं तथा ''आयुर्वेदोऽमृतानाम्'' पत्रक में स्वास्थ्य लाभ हेतु 30 विशिष्ट औषधि पौधों के गुण एवं उनके उपयोग के साथ-साथ स्वास्थ्य से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी भी दी गई है।